विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 11 से 16 अप्रैल 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 42 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

जिस घर में सास और बहू के बीच मां-बेटी जैसा प्रेम रहता है, भाईयों में आपसी समझदारी रहता है, बड़े छोटों को प्रेम और छोटे बड़ों को पितृवत सम्मान देते हैं, घर की साफ-सफाई के साथ ही सभी में प्रेम, अपनापन और आत्मीयता भरी रहती है, दुनिया में उस घर की तरक्की को कोई भी नहीं रोक सकता है. जहां इसका अभाव रहता है, वहां दौलत रहकर भी खुशियां कभी नहीं रह सकती है. इसलिए अच्छा माहौल बनाने में योगदान दें.

राज्य में युवा ही तय करेंगे सिकंदर

लोकसभा चुनाव, प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में रैली करेंगे मनसे प्रमुख राज ठाकरे

विदर्भ स्वाभिमान,3 अप्रैल

मुंबई/अमरावती- देश में लोकसभा चुनाव की बयार बह रही है. इस बार अमरावती सहित राज्य की 48 सीटों पर उम्मीदवारों का भाग्य तय करने में नए और पुराने युवा मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी. सभी अल्पसंख्यकों की बात करते हैं लेकिन अभी तक महाराष्ट्रमें किसी भी बड़ी पार्टी द्वारा मुस्लिम प्रत्याशी नहीं उतारने को लेकर भी लोगों द्वारा राजनीतिक दलों की दोहरी भूमिका पर तंज कसा जा रहा है.

अमरावती संसदीय सीट पर पूरे देश की निगाहें लगी हैं. इस बार अमरावती संसदीय सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना जताई जा रही है. लेकिन सबसे अधिक संपर्क,सबसे अधिक गांवों का दौरा, विकास का विजन, लोगों से लगातार संपर्क रखने जैसी बातों का इस चुनाव में सबसे अलग असर पड़ने वाला है. महाराष्ट्र की आठ सीटों पर दूसरे चरण में खड़े प्रत्याशियों का भाग्य तय करने की ताकत युवा मतदाताओं में ही है. युवाओं में चुनाव को लेकर जोश है. लेकिन वे समझदारी से ऐसे प्रत्याशी को वोट देने का मन बना रहे हैं, जो सर्वगुण सम्पन्न हो, लोगों से संपर्क में हो.

अमरावती में नए युवा मतदाता 17387, 20-29 साल के 3 लाख 24 हजार 021, 30-39 तक 4 लाख 15 हजार 54, 40-49 के 3 लाख 89 हजार 500, 50-59 के 3 लाख 25 हजार 625 तथा इससे अधिक उम्रगुट के मतदाताओं की संख्या लगभग 3.50 लाख के करीब है. ऐसे में अमरावती में भी युवाओं का जिसे साथ रहेगा, वही प्रत्याशी भारी वोटों से चुनकर आएगा. अमरावती के उम्मीदवार भी युवा रहने के कारण युवाओं द्वारा किसे सिकंदर बनाया जाता, यह पता चलेगा.

लोकतंत्र की मजबूती में हर वोट की महत्वपूर्ण कीमत होती है.लोकतंत्र के यज्ञ रूपी चुनाव में हर मतदाता को आहुति देते हुए देश में बेहतरीन सरकार के साथ ही मजबूत लोकतंत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए. जिलाधिकारी सौरभ कटियार तथा प्रशासन प्रयास कर रहा है, हमें वोट का संकल्प लेकर अमरावती का रिकार्ड बनाना है.

विदर्भ स्वाभिमान जागरण अभियान

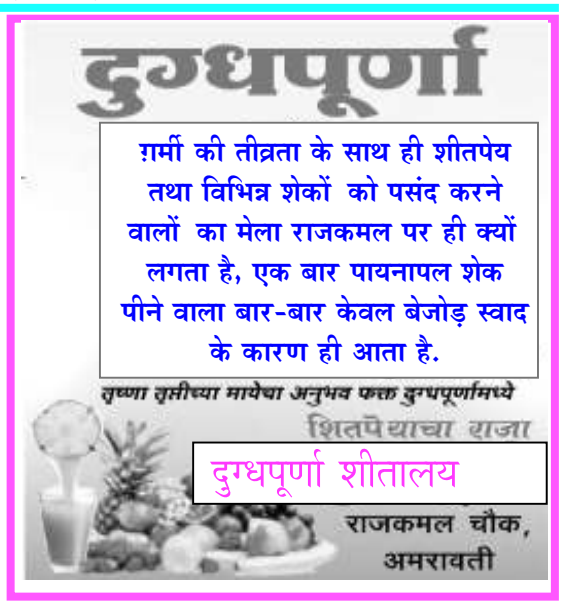

संपादकीय

चुनाव आयोग के लिए यह है बड़ी चुनौती

भारत को विश्व का महान लोकतंत्र माना जाता है. ऐसे में भारत में होने वाले लोकसभा अथवा विधानसभा के साथ ही सभी चुनावों पर पूरे विश्व की निगाहें लगी रहती हैं. लेकिन विगत कुछ वर्षों में चुनाव की स्वतंत्र व निष्पक्ष भावना पर राजनेताओं द्वारा सवाल खड़ा किया जाना निश्चित ही चिंता वाली बात है. चुनाव आयोग के समक्ष इसकी विश्वसनीयता को बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है. कई दशकों तक इवीएम सही थी लेकिन कुछ साल से उसमें सेंटिंग की बात अगर उठाई जा रही है तो निश्चित तौर पर यह चिंता वाली बात है. इस मामले में पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा का कहना है कि चुनावों से पहले लेवल प्लेइंग फील्ड के उल्लंघन के आरोपों की जांच करने का अख़्तियार चुनाव आयोग को है.साथ ही लवासा का मानना है कि चुनावों के दौरान जांच एजेंसियों को मॉडल कोड ऑफ़ कंडक्ट के दायरे में लाना चाहिए या नहीं,चुनावी लाभ के लिए सरकारी एजेंसियों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए. लेकिन आजादी के बाद से अगर देखा जाए तो इससे इंकार नहीं किया जा सकता है. बड़ा सवाल ये भी है कि क्या ऐसा करने से चुनाव आयोग अपने मुख्य काम- जो कि कुशल, निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव करवाना है, उससे भटक जाएगा?

लोकसभा चुनाव कुछ ही दिन दूर हैं और जहाँ राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने में लगे हैं. वहीं सब निगाहें इलेक्शन कमीशन या चुनाव आयोग पर भी टिकी हैं क्योंकि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने का सारा दारोमदार चुनाव आयोग पर ही है.इसी बीच पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक सरगर्मी तब बढ़ गई, जब पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ़्तार कर लिया.इसी दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खातों के फ्रीज़ किए जाने की ख़बर भी सामने आई.इस घटनाक्रम के बात लगातार ये बात उठने लगी कि क्या चुनावों से पहले सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को निशाना बना रही है? सवाल ये भी उठा कि क्या चुनाव के लिए ज़रूरी लेवल प्लेइंग फील्ड का ध्यान नहीं रखा जा रहा है.बीबीसी के साथ बातचीत करते हुए अशोक लवासा ने कहा-चुनाव आयोग के पास कोई भी ऐसी शिकायत आती है, जिसमें कोई ये आरोप लगाता है कि ये एजेंसी हमारे ख़िलाफ़ ऐसे काम कर रही ताकि हमारा चुनाव में कार्य बाधित हो तो उसके लिए मैं समझता हूँ कि इलेक्शन कमीशन को अख़्तियार है कि वो इस चीज़ की जांच करे कि वाकई ये आरोप जायज़ हैं या नहीं.संविधान का आर्टिकल 324 इलेक्शन कमीशन को चुनाव करवाने और उन्हें नियंत्रित करने का पूरा अख़्तियार देता है.वे कहते हैं, 'सुप्रीम कोर्ट के कई ऐसे फ़ैसले हैं जिनमें कहा गया है कि चुनाव आयोग शक्ति का भंडार है. उसे अपनी शक्तियों का उपयोग चुनाव को निष्पक्ष कराने के लिए करना चाहिए. चुनाव आयोग के सामने स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव कराने की बड़ी चुनौती है, इसमें वह पार पाएगा.

एकता की यह सबसे बड़ी मिसाल

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

क़हते हैं कि भारतीय आचार-विचार और संसार सब कुछ मानवतावादी हैं. यही कारण है कि भारतीय लोग विश्व में जहां भी रहते हैं, अपनी योग्यता का लोहा सभी से मनवाते हैं. भारत के इतना जाति,धर्म,पंथ तथा भाषाएं, हर कुछ किलोमीटर के अंतर पर बदलने वाली संस्कृति परम्परा कहीं नहीं होगी. इस साल तीन त्यौहार ऐसे आए, जो मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखने का संदेश देने के लिए काफी है. मराठी नववर्ष, सिंधी समाज का पर्व और इसके बाद ईद-उल-फितर के त्यौहार की खुशियों में पूरा देश झूम रहा है. भारतीय संस्कृति की इससे बड़ी महानता भला और क्या हो सकती है. यहां पर हर घर में राम और रहीम का साथ अविस्मरणीय होता है. सभी को साथ लेकर चलने का मजा ही कुछ अलग होता है. यह बात केवल बोलने के लिए नहीं बल्कि उपयोग में लाने के लिए होनी चाहिए. लेकिन कुछ लोगों के कारण धर्म का वह स्वरूप सामने नहीं आ पाता है. इस तरह के लोग हर वर्ग में रहते हैं. लेकिन बात जब सर्वधर्म समभाव की होती है तो इस तरह के नजारा निश्चित ही बच्चों से लेकर भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करते हैं.

भारतीय संस्कृति ही समूचे विश्वके कल्याण की सोच रखती है. यही कारण है कि इसमें ही वसुधैव कुटुंबकम वाली मानसिकता होती है. धर्म तो जोड़ना सिखाता है, वह तोड़ना नहीं सिखाता है. सिंधी समाज संख्या में कम है, लेकिन उनकी एकता, उनकी मेहनत, काम के प्रति समर्पण के साथ ही मीठे बोल-बचन ने उन्हें व्यवसाय के क्षेत्र में चोटियों पर पहुंचा दिया है लेकिन वहीं दूसरी ओर कई ऐसे भी हैं, जिन्हें माता-पिता ने बड़ी विरासत दी है लेकिन संभाल नहीं पाए और गली-मुहल्लों में घूमते हैं. किसी भी क्षेत्र में आपकी काबिलयत, आपकी सोच का अनन्य महत्व होता है. तीनों ही पर्वों की खुशी किसी के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है. आज इन्सानियत घटने के कई नजारों के बीच आशा का दीपक तब दिखाई देता है जब किसी तेंदुए के बच्चे की जान बचाने के लिए हजारों लोग जुड़ते हैं. बिल्ली के बच्चे को कुएं से निकालने के लिए कई लोग अपने जान की बाजी लगा देते हैं. यह महानता है हमारी संस्कृति में . हमारे संस्कारों में ही मानवता कूट-कूटकर भरी है. यही कारण है कि भारत का व्यक्ति कहीं भी रहे, वह अपने मुताबिक अपनी व्यवस्था कर हीलेता है. भारतीय होने का सभी को गर्व करने के साथ ही राष्ट्रधर्म को सबसे पहले निभाने का संकल्प लेना चाहिए.

भारत को महान बनाने में अग्रणी

विदर्भ स्वाभिमान महामानव का विनम्र अभिवादन

भारत के लोकतंत्र को पूरे विश्व में सर्वाधिक सम्मान के साथ देखा जाता है. इतना ही नहीं तो जिस तरह से हजारों जाति,धर्म,पंथ और भाषाएं तथा परम्पराएं रहने के बाद भी यहां पर जिस तरह से अनेकता में एकता का ताना-बाना बुना हुआ है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है. इसका पूरा श्रेय भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को जाता है. वही देश विश्व में प्रगति कर सकता है, जहां शांति हो, सद्भाव हो, सभी के अधिकार सुरक्षित हों और सभी एक-दूसरे केसमान हो. भारतीय संविधान ने इन सभी बातों का ख्याल रखा है. कई मामले में तो हमारा संविधान विश्व के सबसे बड़े संविधान के रूप में सुख्यात है. अमेरिका की तुलना में भारतीय संविधान आदर्श है. इतना ही नहीं तो लाखों लोगों को यह किसी अजूबे से कम नहीं लगता है. भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर देश के ऐसे महान नेता थे, जिन्हों ने देश की व्यवस्था को इस कदर मजबूत बनाई कि उसे कोई भेद नहीं सके. 14 अप्रैल को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन और अभिवादन.

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहब आंबेडकर सही मायनों में देश के जननायक तथा मानवता के मसीहा थे. उन्होंने करोड़ों लोगों को अन्याय के जीवन से जहां मुक्त कराया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का संदेश दिया. दीनों -पीडितों के जहां वे मसीहा रहे, वहीं दूसरी ओर आज देश बेहतरीन तरीके से चलने का माध्यम वही थे. उनके द्वारा विश्व का सर्वोत्तम संविधान भारत को दिया गया है. यह अपने आप में गर्व के साथ हर भारतीय के लिए गौरव की भी बात है. इन शब्दों में भारतीय जैन संगठन के विश्वस्त सुदर्शन गांग ने अपनी भावनाएं व्यक्त की. महामानव डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए वे कहते हैं कि उनके द्वारा बनाए गए संविधान ने ही कई ऐसे चमत्कार किए हैं, जो विश्व के किसी देश में नहीं हो सके हैं.अनगिनत बदलावों से बदले हुए देश को एकसंघ रखना केवल और केवल हमारे महान संविधान के कारण ही संभव हुआ है. बचपन में ही स्वंय पर अनेक अत्याचार सहने के बाद भी कबीरपंथी संस्कार प्राप्त डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने शिका व संघर्ष का संदेश समूची मानव जाति को दिया. उनके व्यक्तित्व निर्माण में मां रमाई की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण है. महामानव की जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक आज के दौर में उनके विचारों पर चलने से ही देश का तथा समाज का भला हो सकता है. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर को दूरदर्शी महान नेता बताते हुए पानी फाउंडेशन के माध्यम से पर्यावरण संतुलन के लिए प्रयासरत रहने वाले सुदर्शन गांग ने कहा कि भारतीय संविधान समूचे विश्व में सबसे बेहतरीन है. उन्हों ने सदैव लोगों को पढ़ने, अधिकारों के लिए जागरूक रहने के साथ ही सामाजिक कामों में योगदान की सीख दी. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर किसी एक क्षेत्र नहीं बल्कि हर क्षेत्र में पारंगत थे, इसका अनुभव तत्कालीन नेताओं को कई मौकों पर भी आया. संघर्ष जिदगी में सफलता का सूत्र होता है. शिक्षा को वे सबसे अधिक महत्व देतेथे. उनका मानना था कि जीवन तथा दिशा और दशा दोनों ही बदलने की ताकत केवल शिक्षा में है. शिक्षित होने पर हमारे अधिकारों की हमें जानकारी मिलेगी और उसके बाद हम पर कोई अन्याय नहीं कर सकेगा. आज उनके ही सीख ने लाखों की जिंदगी बदल दी. जितनी अच्छी कामयाबी हासिल करनी है, उसके मुताबिक संघर्ष करने की तैयारी और मानसिकता बनाने के बाद निश्चित ही कामयाबी तुम्हारे कदम चूमेगी. समाज के हर वर्ग को न्याय देने के साथ ही महिलाओं सहित सभी को न्याय दिलाया.डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं, सभी को उनके विचारों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए.

पढ़ना चाहिए संविधान

संविधान यह केवल किताब नहीं बल्कि महाग्रंथ है. इसे हर भारतीय को अपने घर में रखना चाहिए और पढ़ना चाहिए. इससे जहां वह व्यवस्था को समझेगा, वहीं यह किताब एक बार पढ़ने वाले पर कोई अन्याय नहीं कर सकता है. हर वर्ग को न्याय देने का काम भारतीय संविधान ने किया है. हम सभी को सौभाग्यशाली समझना चाहिए, जिन्हें इस तरह का शानदार तोहफा डॉ. बाबासाहब आंबेडकर और उनके सहयोगियों ने दिया. यह गौरव की बात है. हर भारतीय को इस पर गर्व करना चाहिए.

सुदर्शन गांग
सुख्यात समाजसेवी तथा संविधान विषय के वक्ता

विदर्भ स्वाभिमान यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

माता-पिता के जैसा त्यागी दुनिया में कोई नहीं हो सकता

श्रीमती सुगनीबाई गांग को नमन, बडनेरा के आधार केन्द्र में बुजुर्गों को भोजनदा, तीन साइकिलें भी प्रदान

विदर्भ स्वाभिमान,10 अप्रैल

अमरावती- ज़ीवन में माता-पिता के जैसा त्याग किसी का नहीं हो सकता है. इसलिए जीवन में उन्हें ही जिंदा देव मानते हुए पूजा करनी चाहिए. मौत के बाद दुनिया को दिखाने की बजाय जीते-जीते उनकी सेवा करने और उनका आशिर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए. स्व. सुगनीबाई पुखराजजी गांग ने आदर्श मां के साथ ही संघर्ष से जूझने वाली मां की भूमिका भी बेहतरीन तरीके से अदा की. आज गांग परिवार तथा आनंद परिवार का समाज कार्य देखने पर उस माऊली पर गर्व होता है, साथ ही हमें गांग परिवार का साथ मिलने का गर्व भी होता है. इस आशय का प्रतिपादन प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई और अन्य वक्ताओं ने व्यक्त किया.

स्व. सुगनीबाई पुखराजजी गांग क़ी प्रथम पुण्यतिथि पर समाजसेवी तथा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सुदर्शन गांग तथा आनंद परिवार द्वारा सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न सामाजिक उपक्रम आयोजित किए गए थे. सुबह धर्म कर्म के बाद मतिमंद विद्यालय में भोजनदान के बाद आधार निवारा केन्द्र बडनेरा में रहने वाले निराधार, अनाथ बुजुर्गों के लिए भोजनदान तथा संस्था को जरूरत के मुताबिक तीन साइकलों का वितरण किया गया. समारोह में लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई, समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट, धर्मचंद्र गांग, समाजसेवी तथा व्यवसायी अरूण कडू, पूर्व प्राचार्य गौरी अय्यर, प्रदीप जैन,संपादक सुभाष दुबे, गणेश अय्यर के साथ ही अन्य मान्यवर उपस्थित थे. कार्यक्रम की सभी ने जहां सराहना की, वहीं दूसरी ओर समाज में ज्योति राठोड तथा राजू बसवनाथे द्वारा किए जा रहे कार्यों की सभी ने मुक्तकंठ सराहना की.

अपने मार्गदर्शन में समाजसेवी सुदर्शन गांग ने आनंद परिवार के संघर्ष के दिनों और मां द्वारा दिए गए संबल का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पिता के स्वर्गवास के बाद मां ने जहां परिवार को संभाला, वहीं दूसरी ओर अतिथि देवो भव के साथ ही मानवता की सेवा, समाजसेवा की सीख दी. मां के आदर्श विचारों पर ही चलने का प्रयास और समाज के लिए कुछ करने का प्रयास आनंद परिवार द्वारा किया जा रहा है. प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई के साथ ही अन्य वक्ताओं ने भी इस मौके पर अपने मार्गदर्शन से सभी को प्रभावित किया. स्व. सुगनीबाई पुखराजजी गांग की विशेषताओं को बताते हुए बेटी कल्पना ने सभी को भावविभोर कर दिया. परिवार की ताकत कैसी होती है, गांग परिवार में 5 भाई, बहनों के बीच ही आनंद परिवार के बीच के प्रसंगों को उन्हों ने साकार करते हुए सभी के आंखों में आंसू ला दिए. पारिवारिक के साथ ही भावना प्रधान इस कार्यक्रम ने सभी को जहां माता-पिता की सेवा क्या होती है, इसकी सीख दी, वहीं दूसरी ओर यह संदेश देने का प्रयास किया कि अपने लिए ही जीने को महत्वपूर्ण नहीं माना जाता है. बल्कि जीवन में समाज के ऐसे लोगों के लिए भी यथासंभव करने का प्रयास किया जाना चाहिए, जिन्हें हमारी मदद की जरूरत है.चार घंटे तक चले समारोह का बेहतरीन संचालन समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट और नितेश गांग ने सभी उपस्थीतों के प्रति आभार व्यक्त किया. कुल मिलाकर इस कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के लिए यह कार्यक्रम अभूतपूर्व और शानदार रहा. इस मौके पर निराधार और घर से किसी कारणवश बाहर किए गए बुजुर्गों के साथ परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन का आनंद लिया. कुल मिलाकर अपार अनुभव के साथ खुशियों का यह पल था.

ज़्योति राठोड, बसवनाथ की सराहना की

क़हते हैं कि अपने लिए जीने के साथ ही जब इन्सान समाज के लिए जीता है तो वह सदैव के लिए अमर हो जाता है. आधार केन्द्र का संचालन करने वाली संस्था की ज्योति राठोड, राजू बसवनाथे के साथ संस्था के केयर टेकरों का समर्पण निश्चित ही अन्यों के लिए प्रेरणादायी हो सकता है. जितना संभव हो मानवता की सेवा करते हुए स्वयं का कर्म अच्छा संवारने का संदेश जहा उन्होंने दिया, वहीं पहली बार नई परम्परा का उदय हुआ. पुण्यस्मरण के कार्यक्रम के दौरान गांग परिवार के रिश्तेदार राजेशभाई का जन्मदिन भी यहां केक काटकर मनाया गया. तीन घंटे तक चले कार्यक्रम में डॉ. कमलताई गवई के साथ ही शहीद उपेन्द्र के पिताजी धनंजय गुळदेकर, दो राष्ट्रपतियों से सम्मानित गौरी गणेश अय्यर का सत्कार इस मौके पर सुदर्शन गांग परिवार तथा आनंद परिवार द्वारा किया गया. इस दौरान का माहौल जितना सराहनीय था, उससे कई गुना अधिक मानवता का दर्शन कराने वाला था. आनंद परिवार द्वारा सामाजिक कामों के साथ ही पर्यावरण तथा दिव्यांगों की सेवा के लिए भी सदैव प्रयास किया जाता है. तीनों ही संचालकों अरूण कडू, सुदर्शन गांग तथा प्रदीप जैन के कुशल नेतृत्व में युवा पीढ़ी के सदस्यों द्वारा भी सामाजिक प्रतिबद्धता को बरकरार रखते हुए इस दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसकी भी सर्वत्र सराहना की जा रही है.

सभी धर्म देते हैं भाईचारे का ही संदेश,राष्ट्रधर्म बड़ा-अभिषेक पंजापी

प्रतिनिधि, 10 अप्रैल

अमरावती- मानवता से बड़ा धर्म हो नहीं सकता है. हर धर्म मानवता का संदेश देते हैं. इसका उदाहरण भारतीय संस्कृति और इसमें बसे संस्कार हैं. इसी सप्ताह 9 को गुड़ीपाड़वा, 10 को चेट्रीचंड और 11 को ईद-उल-फितर इसका उदाहरण है. धर्म से बड़ा कर्म और राष्ट्रधर्म तो सबसे बड़ा होता है. इस आशय का मत युवा व्यवसायी और सामाजिक कामों में अग्रणी अभिषेक पंजापी ने व्यक्त किया. उन्हों ने तीनों ही पर्वों की शुभकामनाएं सभी को देते हुए कहा कि अपार उत्साह ही भारतीय संस्कृति की खूबी है. सालभर विभिन्न त्यौहारों, पर्वों के माध्यम से खुशियां मनाई जाती हैं.

शिव स्पोर्टस के संचालक के साथ ही सिंधी समाज में सेवाभाव के लिए तेजी से आगे बढ़ने वाले अभिषेक पंजापी के मुताबिक मतदान का रिकार्ड अमरावती में बनाने के लिए जिलाधिकारी सौरभ कटियार के साथ पूरा प्रशासन प्रयासरत है. मतदान लोकतंत्र की मजबूती का सबसे बड़ा जरिया होता है. ऐसे में सभी से उन्होंने मतदान करने और लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का आग्रह किया. युवा समाजसेवी, व्यवसायी के साथ ही माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देने वाले और अपने स्टेटस पर सालभर माता-पिता को रखने वाले अभिषेक पंजापी के मुताबिक माता-पिता की सेवा करने वाला बेटा कभी पीछे नहीं हो सकता है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार के बुजुर्गों ने सदैव उन्हें तथा सभी युवाओं को मानवता की सेवा करने की सीख दी है. माता-पिता के भक्त अभिषेक पंजापी के मुताबिक मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. इसलिए जितना संभव हो, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर मानवता की सेवा का प्रयास करना चाहिए.रमजान ईद की सभी को मुबारकवाद भी दी.

अच्छे कर्मों का हिसाब सदैव रहता है पास

पं.प्रदीप मिश्रा की कथा में बहती है मानव सेवा की धार,जुड़वा नगरी इतिहास रचेगी

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

शाकाहार को बढ़ावा देना है जरूरी

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक ज़ीवन में शाकहार को अत्याधिक महत्व देना चाहिए. जैसा भोजन वैसा मन होता है. इस पर सभी को ध्यान देने की सीख देते हैं. मानवता तेजी से घट रही है. यही कारण है कि सर्वत्र अनाचार वाली स्थिति है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम सभी कुछ न कुछ ऐसा करें, जिससे जीवन में खुद भी खुश रहें और संपर्क में आने वाले लोगों को भी खुश रखने का प्रयास करें.ऐसे में कोशिश करना चाहिए कि हम सदैव नेकी के साथ जिएंगे. जुड़वा नगरी में होने वाली शिव महापुराण कथा निश्चित तौर पर जुड़वा नगरी की शान बढ़ाने के साथ ही इतिहास रचने का विश्वास जताया.

क़ुछ अच्छाई प्रभु के लिए कमाएं

अचलपुर- बेनाम पैदा होने वाला इन्सान अपने ही कर्मों से अपनी ख्याति बनाता है. जो मानवता, सामाजिक सेवा, धर्म सेवा का आचरण करते हुए यह भाग्य प्राप्त होता है. ऐसे लोग ही जीवन के साथ ही दुनिया में नहीं रहने के बाद भी याद किए जाते हैं. अच्छे कर्म कभी भी बेकार नहीं जाते हैं. वे किस रूप में हमारी मदद करते हैं, इसका एहसास वही कर सकता है, जो सदैव अच्छा करने का प्रयास करता है. ऐसे में हमें भी चाहिए कि हम जीवन में सदैव अच्छे काम करने के साथ ही सदैव जितना संभव हो उनता अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. अमरावती के अचलपुर में होने वाली पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा भी अभूतपूर्व रहने की संभावना है. इसकी सभी तैयारियां शुरू हो रही हैं.

अमरावती में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के बाद परतवाडा में सुख्यात व्यवसायी जयस्वाल बंधुओं द्वारा 5 से 11 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा क़ी तैयारियां लगातार जारी हैं. मंडप के साथ ही भव्य नियोजन के लिए प्रशासन के साथ कई बार बैठकों का दौर हो रहा है. इसमें महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा रही है. ऐसे में सभी का सहयोग मिल रहा है. 29 समितियों का गठन करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गई.पुलिस प्रशासन के साथ ही सभी द्वारा कथा की तैयारियों में योगदान दिया जा रहा है. अचलपुर में होने वाली कथा का लाभ लाखों भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है. कथा को लेकर वाहन पार्किंग सहित अन्य सभी इंतजाम किए जा रहे हैं.

अमरावती संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अब तक के सांसद रहे मान्यवर

१९५७-१९६२ पंजाबराव एस. देशमुख (काँग्रेस)
१९६२-१९६५ पंजाबराव एस. देशमुख (काँग्रेस)
१९६५-१९६७ विमल देशमुख (काँग्रेस)
१९६७-१९७१ के.जी. देशमुख (काँग्रेस)
१९७१-१९७७ के.जी. देशमुख (काँग्रेस)
१९७७-१९८० नानासाहेब बोंडे (काँग्रेस)
१९८०-१९८४ उषा प्रकाश चौधरी (काँग्रेस(आय))
१९८४-१९८९ उषा प्रकाश चौधरी (काँग्रेस(आय))
१९८९-१९९१ सुदाम देशमुख (भा क प)
१९९१-१९९६ प्रतिभा देवीसिंह पाटील (भा रा काँग्रेस)
१९९६-१९९८ अनंतराव महादेवअप्पा गुडे (शिवसेना)
१९९८-१९९९ रामकृष्ण सूर्यभान गवई (भारिप)
१९९९-२००४ अनंतराव महादेवअप्पा गुडे (शिवसेना)
२००४-२००९ अनंतराव महादेवअप्पा गुडे (शिवसेना)
२००९-२०१४ आनंदराव विठोबा अडसूळ (शिवसेना)
२०१४-२०१९ आनंदराव विठोबा अडसूळ (शिवसेना)
२०१९-२०२४ नवनीत कौर (अपक्ष)
२०२४- ??????????

मानवता की सेवा पहले करें

ज़ीवन में जो लोग सदैव अच्छा भाव रखते हैं, सकारात्मक सोच रखते हैं, कभी किसी से जलन नहीं रखते हैं, इतना ही नहीं तो जो लोग सदैव यह सोचते हैं कि वे जीवन रूपी प्रभु द्वारा किए गए उपकार के लिए कृतज्ञ रहेंगे और सदैव जितना बन पड़ेगा, मानवता की सेवा करने का प्रयास करेंगे, ऐसे लोगों के चेहरे का तेज, उनका स्वास्थ्य सदैव साथ देता है. लेकिन जो लोग केवल अपना घर भरने, इसमें मदद करने वालों का भी विचार नहीं करते हैं, वे धन से मजबूत होते हैं लेकिन दिली खुशियों से महरूम होते हैं. इसलिए जितना संभव हो सके, खुद खुश रहें और अन्यों को भी देने का प्रयास क़रें.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

ज़ीवन में भाई तथा बहन का आत्मीय प्यार करोड़ों की दौलत से बढ़कर होता है. पैसे के लिए कभी भी रिश्तों को खराब नहीं करना चाहिए. हम सभी यात्री हैं, जीवन में कब कहां उतरना पड़ जाए कह नहीं सकते हैं, ऐसे में ऐसा काम करने का प्रयास करें, जिसके लिए याद रहें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

शुभेच्छुक-पंकज जी. मुद्गल, व्यवस्थापकीय अधीक्षक, अंध कर्मशाला,अमरावती.

महामानव के विचार ही देश को तारने में सक्षम

डॉ.आंबेडकर जयंती पर चंद्रकुमार जाजोदिया ने कहा

प्रतिनिधि, 11 अप्रैल

अमरावती- भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जयंती और मुस्लिमभाईयों के पवित्र रमजान माह की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. देश को एकसंघ रखने के साथ करोड़ों शोषितों को न्याय दिलाने वाले महामानव डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के विचारों से ही देश की प्रगति और महाशक्ती बनने की क्षमता जागृत होगी. इस आशय का मत समाजसेवी तथा व्यवसायी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने व्यक्त किया. उनके मुताबिक डॉ. बाबासाहब आंबेडकर द्वारा तैयार बेहतरीन संविधान के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों में भी देश की एकता को अक्षुण्ण रखने की ताकत है. उनके मुताबिक आज डॉ. आबेडकर के विचारों की अत्याधिक जरूरत है. देश को आगे बढ़ाने के साथ ही सभी को न्याय दिलाने की ताकत केवल और केवल हमारे संविधान में रहने की बात कही.

सामाजिक कामों में अग्रणी त्था शहर के विकास के साथ ही सभी को साथ में लेकर चलने के लिए सुख्यात लप्पीभैया के मुताबिक भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर विश्व रत्न हैं. उनके जैसा विद्वान, उनके जैसा शोषितों का मसीहा समूचे विश्व में कहीं नहीं है. अभिषेक पंजापी के मुताबिक आज उनके द्वारा दिए गए विचारों की अत्याधिक जरूरत है. सभी को डॉ.बाबासाहब आंबेडकर द्वारा बताए गये मार्ग पर चलना चाहिए. इससे देश को महाशक्ति बनने में समय नहीं लगेगा.

महामानव को कोटि-कोटि नमन

दुनिया का बेहतरीन संविधान देकर देश को एकता के साथ ही विकास के मार्ग पर अग्रसर करने वाले भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर कोटि-कोटि नमन.

शुभेच्छुक

चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया तथा मधुसूदन ग्रुप, अमरावती, मुंबई.

विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी

सदस्यता पंजीयन शुरू

विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.

मो. 8855019189
9518528233

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

भीषण गर्मी दिखाने लगी है खतरनाक असर

अमरावती - पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. यही कारण है कि गर्मी के कारण त्राहि-त्राहि वाली स्थिति बन रही है. ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा सुबह जल्दी दिनचर्या शुरू करते हुए सुबह जल्दी दिनचर्या शुरू करते हुए जल्द से जल्द काम निपटाने का काम शुरू किया था. सप्ताह भर में गर्मी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है.

शतप्रतिशत मतदान करने का सभी को संकल्प लेना चाहिए

अमरावती- जिस माध्यम से सेवा का मौका मिले, उस माध्यम से सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. अल्पसंख्यक क्षेत्र में ज्ञान की गंगा बहाने वाले फ्रेंडस वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मो. अयूब तथा सचिव हाजी मो. याकूब मामू ने सभी को विभिन्न पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए सभी को मुबारकबाद दी. ईद-उल-फितर की मुबारकबाद के साथ ही 26 अप्रैल को अमरावती में रिकार्ड मतदान करने का आग्रह किया. उनके मुताबिक लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर मत का अपना महत्व है. इसलिए इस दिन सभी को मतदान करते हुए लोकतंत्र को मजबूत करने और सभी को साथ में लेकर चलने वाले और विकास को बढ़ावा देने वाले प्रत्याशी को मतदान करना चाहिए. मतदान का रिकार्ड बनाने के लिए जिलाधिकारी सौरभ कटियार के साथ ही पूरा प्रशासन विभिन्न संस्थाएँ और संगठन भी प्रयासरत हैं. ऐसे में सभी को मतदान के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए.

अल्पसंख्यक समाज की शिक्षा के लिए दोनों ने जहां जीवन समर्पित किया, वहीं संस्था को लगातार आगे बढ़ाने के जज्बे के चलते अपार लोकप्रियता समाज में है. संस्था द्वारा संचालित विद्यालयों ने भी कई रिकार्ड बनाया है. वे शिक्षा को सबसे बड़ी ताकत मानते हैं. सामाजिक, धार्मिक कामों में अग्रणी रहने वाले नानकराम नेभनानी के मुताबिक हर व्यक्ति द्वारा जीवन में जितना अच्छा किया जा सकता है, करने का प्रयास करना चाहिए. कई बार दवाओं की मर्यादा जहां खत्म होती है, वहीं दुवाओं का असर होता है. अपने जीवन में सदैव नेक काम को महत्व देने वाले तथा सदैव अच्छे कामों में अग्रणी रहने वाले दोनों ही मान्यवर अन्याय के खिलाफ कभी नहीं झुकते हुए इसका सामना करना सीखा है.

उनके मुताबिक राष्ट्र प्रेम के साथ हर व्यक्ति को जितना संभव हो अपने समाज और राष्ट्र के लिए सदैव अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.दोनों ही मुस्लिम समाज की समस्याओं को समझते हैं. वे अपने पद का उपयोग समाज की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के साथ ही समाज की प्रगति के लिए करते हैं. उच्च शिक्षित होने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में दोनों का महत्वपूर्ण योगदान है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने बताया कि जीवन में जितना संभव हो सके, हर व्यक्ति को अपनी ओर से प्रयास करना चाहिए. समाज के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान होता है. ऐसे में अल्पसंख्यक समाज के बच्चों के लिए विद्यालय में बेहतरीन शिक्षा सुविधा देने के साथ ही इस विद्यालय के छात्रों ने खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर तक सफलता प्राप्त की है. सभी सेसहयोग करने और इसे आगे बढ़ाने का आग्रह किया.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

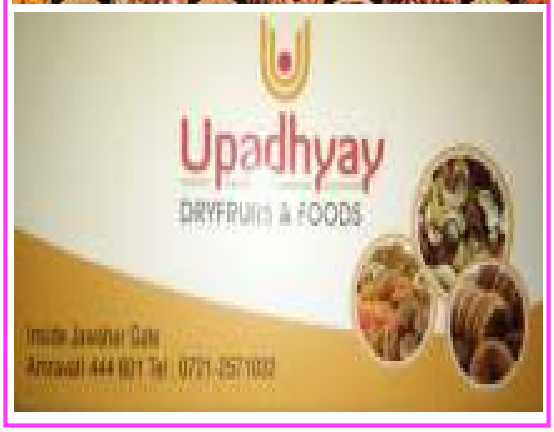

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

भक्तों का आकर्षण का केन्द्र बना है श्रीराम-श्रीश्यामबाबा मंदिर

बडनेरा- जीवन में प्रभु का नाम ही संवारने के लिए काफी है. ऐसे में भक्तिभाव में डूबे भक्तों की सहायता के साथ ही हर तरह की खुशियां देने का काम प्रबु करते हैं. जिसमें भाव होता है, विश्वास होता है, उसे ही इसका अनुभव मिल सकता है. इसी का परिचायक है सिंघानिया परिवार द्वारा संचालित बडनेरा-यवतमाल रोड पर झिरी में स्थित श्रीराम और श्रीश्याम मंदिर. मंदिर में भक्तों की दर्शनार्थ जहां भीड़ लगती है, वहीं चंदूलाल अग्रवाल के साथ ही ट्रस्टी तथा परिवार के सदस्य भी भावभक्ती से ओतप्रोत रहते हैं. मंदिर का आकर्षक साफ-सफाई के साथ ही अन्य विशेषताएं जहां भक्तों को आकर्षित करती हैं, वहीं दूसरी ओर यहां आने वाले भक्तों की सुविधाओं काविशेष ख्याल अग्रवाल परिवार द्वारा रखा जाता है. श्रीराम दाल मिल के संचालक के रूप में जहां अग्रवाल परिवार ने व्यवसाय के क्षेत्र में शानदार कामयाबी हासिल की है, वहीं दूसरी ओर धार्मिक के साथ सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. श्रीराम दाल मिल की दाल पूरे विदर्भ में लोकप्रिय है. पकने में बेहतरीन के साथ ही यह कई खूबियों से युक्त होती है. झिरी में नवनिर्मित श्रीश्यामबाबा मंदिर जहां भक्तों की आशाओं को पूरा कर रहा है, वहीं श्री श्यामबाबा का आकर्षक और मोहक श्रृंगार भक्तों को आकर्षित कर रहा है. मंदिर में ग्यारस, बारस का कार्यक्रम अत्यंत भक्तिभाव से मनाया गया. मंदिर के संचालक और समाजसेवी तथा विदर्भ की सुख्यात श्रीराम दाल मिल के संचालक चंदूलाल अग्रवाल, पवन अग्रवाल के साथ ही मंदिर ट्रस्ट के भाविनभाई पटेल सहित अन्य भक्तों द्वारा जहां सदैव प्रभु सेवा में योगदान दिया जाता है. वहीं यहां होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में भी भक्त उमड़ रहे हैं.भक्तों में अपार उत्साह यहां देखा जाता है.

गुरूवार 14 से 20 मार्च 2024

मेष
यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ
शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.

मिथुन
अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क
आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ
आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

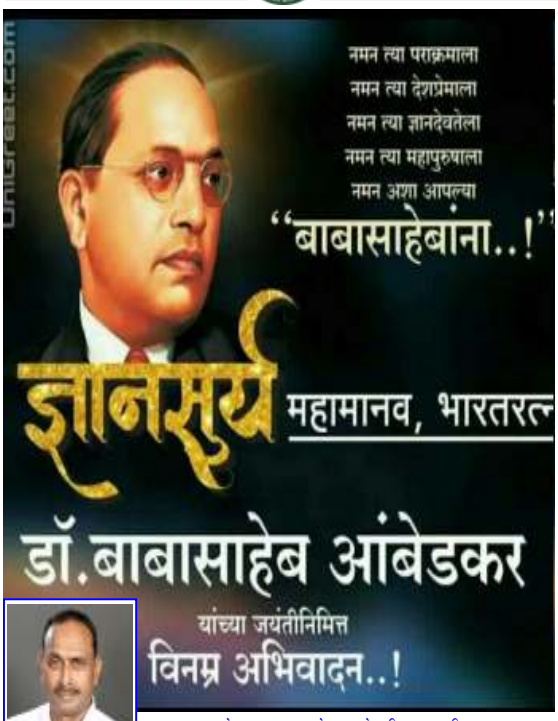

शुभेच्छुक-मा.आ.ज्ञानेश्वर धाने पाटिल तथा परिवार
जिला शिवसेना समन्वयक तथा शिक्षा की गंगा बहाने वाले समाजसेवी.

शुभेच्छुक - अरूण कडू, सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा समस्त
आनंद परिवार, बडनेरा, अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.
फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

डङ्घडङ्घद्यङ्घण्ड्ड ङ्घ्ड्डङ्घङ्घद्ध ञ्च्ङ्घदद्यती आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

उम्र के ५० बाद चिंतन करना शुरू करें

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. हम क्या थे, क्या हैं और प्रभु ने हमें कितना दिया है, इसके लिए प्रभु का आभार जताने के साथ ही बने तक प्रयास करें कि जिन लोगों के कारण हमारी प्रगति हुई है, उन लोगों को हमने क्या दिया, यह भाव जिस दिन सम्पत्रों में आ जाएगा, उस दिन से समर्पण और निष्ठा जैसे शब्दों को बट्टा कभी नहीं लगेगा. कोई भी काम एकतरफा गलत होता है. मालिक अपने अधीनस्थों से समर्पण,निष्ठा की चाहत रखता है, लेकिन थोड़ी सी परेशानी आने पर हाथ झटक देता है, ऐसे में क्या समर्पण की सोच कर्मचारी रखेंगे. सोचना चाहिए.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 39 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

यह हमारे देश के संविधान की ही उपलब्धि कही जानी चाहिए कि भारत को महान लोकतंत्र बनाने में उसका सबसे बड़ा स्थान है. आज हजारों जाति,धर्म, पंथ, भाषाएं और रहन-सहन के तरीके के बाद भी वह सभी को समाहित कर लेता है. भारतीय संविधान निर्माता डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से कोटि-कोटि नमन. आज देश अगर एकता के सूत्र में है, सभी स्वतंत्र हैं तो इसका श्रेय संविधान को ही जाता है.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com